बाल भारती पब्लिकस्कूल, पीतम पुरा दिल्ली -110034
कक्षा दसवीं

कक्षा दसवीं

प्रिय विद्यार्थियों ,

आप बड़े भाई साहब पाठ पढ़ चुके हैं |

निर्देश--

पठित गद्यांश के उत्तर अपनी नोटबुक में लिखिए |

पाठ के निम्न बिंदुओं को ध्यान से पढ़ेंगे |

मुख्य बिंदु ---

बड़े भाई साहब

इस पाठ में पतंग के माध्यम से लेखक ने आकाश में चौकड़ी भरते बाल मन में उठती आकांक्षाओं को स्पष्ट करते हुए पतंग की डोर को कस कर रखना और ढील देना के माध्यम से भावनाओं को किस प्रकार मर्यादित करना है यह विद्यार्थियों को बताना चाहा है।

हिंदी साहित्य में कथा सम्राट तथा उपन्यास सम्राट के नाम से विख्यात रचनाकार प्रेमचंद रचित इस कहानी में मुख्य चरित्र एक बड़े भाई साहब हैं जो हैं तो छोटे ही परंतु घर में उनसे छोटा एक और भाई है।

आम आदमी के दुख-दर्द एवं विभिन्न सामाजिक संबंधों को व्यक्त करने में माहिर प्रेमचंद ने दोनों भाइयों के चरित्र को अपने ढंग से व्यक्त कर कहानी में चार चाँद लगा दिये हैं।

BBPS, PITAMPURA

छोटे भाई से उम्र में सिर्फ़ कुछ साल बड़ा होने के कारण उनसे काफ़ीअपेक्षाएँ की जाती हैं। वे स्वयं भी बड़ा होने के कारण यही चाहते और कोशिश करते हैं कि वह जो कुछ भी करें उसे छोटा भाई आदर्श समझकर उसी पर अमल करे। इस स्थिति को बनाए रखने के लिए बड़े भाई साहब अपना बचपना खो देते हैं |

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता | जवाब ही क्या था| अपराध तो मैंने किया, लताड़ कौन सहे?भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति-बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती।इस तरह जान तोड़कर मेहनत करने की शक्ति मैं अपने में न पाता था और उस निराशा में ज़रा देर के लिए मैं सोचने लगता - 'क्यों न घर चला जाऊँ। जो काम मेरे बूते के बाहर है, उसमें हाथ डालकर क्यों अपनी ज़िंदगी खराब करूँ।' मुझे अपना मूर्ख रहना मंजूर था, लेकिन उतनी मेहनत से मुझे तो चक्कर आ जाता था, लेकिन घंटे-दो घंटे के बाद निराशा के बादल फट जाते और मैं इरादा करता कि आगे से खूब जी लगाकर पढ़ूँगा। चटपट एक टाइम-टेबिल बना डालता। बिना पहले से नक्शा बनाए कोई स्कीम तैयार किए काम कैसे शुरु करूँ। टाइम-टेबिल में खेलकूद की मद बिलकुल उड़ जाती। प्रातः काल छः बजे उठना, मुँह-हाथ धो, नाश्ता कर, पढ़ने बैठ जाना। छः से आठ तक अंग्रेज़ी, आठ से नौ तक हिसाब, नौ से साढ़े नौ तक इतिहास, फिर भोजन और स्कूल। साढ़े तीन बजे स्कूल से वापिस होकर आधा घंटा आराम, चार से पाँच तक भूगोल, पाँच से छः तक ग्रामर, आधा घंटा होस्टल के सामने ही टहलना, साढ़े छः से सात तक अंग्रेज़ी कम्पोजिशन, फिर भोजन करके आठ से नौ तक अनुवाद, नौ से दस तक हिंदी, दस से ग्यारह तक विविध-विषय, फिर विश्राम।

प्रश्न

(क) लेखक किस कारण आँसू बहाने लगा? लेखक निराशा में क्या सोचने लगता?

(ख) बड़े भाई साहब किस कला में निपुण थे?

(ग) लेखक ने क्या टाइम टेबल बनाया?

2 . मेरा टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके झोंके, फुटबॉल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव -घात, वॉलीबॉल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नजर मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

प्रश्न

क) बड़े भाई साहब ने लेखक को क्यों डांटा? बड़े भाई साहब के अनुसार अंग्रेजी कैसी भाषा है?

(ख) बड़े भाई ने लेखक को कौन-कौन सा डर दिखाया?

(ग) बड़े भाई ने लेखक को किस चीज़ का वास्ता देकर पढ़ने को कहा?

(क) लेखक टाइम-टेबिल की अवहेलना क्यों कर देता था?

(ख) भाई साहब को नसीहत का अवसर कैसे मिलता था?

(ग) 'हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती' पंक्ति से लेखक क्या कहना चाहता है ?स्पष्ट कीजिए ।

निम्न मुहावरों के अर्थ दिए गए है , आप मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1- आड़े हाथों लेना(खरी खोटी सुनाना)

2- अंधे के हाथ बटेर लगना (अयोग्य व्यक्ति को कोई कीमती वस्तु मिल जाना)

3-गिरह बांधना (सदा स्मरण रखना)

4 चुल्लु भर पानी देनेवाला न होना (संकट के समय कोई मददगार न होना)

5- ज़हर लगना (किसी की बात बहुत बुरी लगना)

DRS, PITAMPURA